मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 24 अप्रैल 2015

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	24-04-14	25-04-14	26-04-15	27-04-15	28-04-15
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	41	41	41	41	42
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	26	26	26	26	27
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	45	43	41	48	47
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	11	13	9	10	12
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	5	11	14	12	23
हवा की दिशा	पश्चिम–उत्तर–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

सिंचित देसी कपास अमरीकन व बी टी नरमा की बुवाई क लिए खेत तैयार कर लें और प्रमाणित उन्नत बीजों की व्यवस्था कर लं।

कृषि उत्पाद के भण्डारण से पूर्व भण्डार गृह या गोदाम को अच्छी तरह से साफ करके सुखा लें। चूहों के नियंत्रण के लिये भण्डारगृह के दरवाजे बन्द कर मिट्टी या गोबर से लीप कर सील कर दें।

करेला, तुरई, टिण्डा, ककडी व खरबूज में फल मक्खी के प्रकोप से फल काणे हो जाते ह। फल मक्खी के नियंत्रण हेतु काणे फलों को तोड़कर भूमि में गहरा गाड़ कर नष्ट कर दें तथा कीटनाशी मैलाथियॉन 50 ई.सी. या डाई मिथोऐट 30 ई.सी. एक मिलीलीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

बेर की कटाई–छंटाई का उचित समय शुरु हो गया है। बेर में प्रति वर्ष कटाई छटाई करनी चाहिये क्योंकि इसकी कक्ष से जो नये प्ररोह निकलते हैं उन्ही पर फूल एवं फल लगते ह। कृन्तन द्वितीय शाखा तक करें।

तापमान में वृद्धि को देखते हुये ग्रीष्मकालीन सब्जियों, जायद चारे की फसलों एंव फलदार पौधो की सिंचाई पर विशेष ध्यान दें।

पशुओं को दिन में तीन से चार बार पानी पिलाएं तथा तेज घूप के समय उन्ह छाया में रखें।